राजस्थान सरकार
ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग
(अनुभाग–3)

क्रमांक एफ 4(22)ग्रावि/नरेगा/आधार/पार्ट–I/80830/2015 जयपुर, दिनांक : 14 JAN 2016

जिला कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक,
महात्मा गांधी नरेगा
समस्त राजस्थान।

[ PLEASE READ CAREFULLY. ]

विषयः– **महात्मा गांधी नरेगा योजना के श्रमिकों की आधार सीडिंग भामाशाह पोर्टल पर किये जाने के संबन्ध में।**

महोदय,

मुख्य सचिव महोदय द्वारा आयोजना विभाग के **परिपत्र 15** (प्रति संलग्न) द्वारा निर्देश दिए गए है कि राज्य सरकार द्वारा संचालित **"भामाशाह योजना" में चिन्हित योजनाओं** के लाभार्थियों की **आधार/ई.आई.डी. सीडिंग, बैंक खाता संख्या आदि का इन्द्राज केवल भामाशाह पोर्टल पर** ही सभी ग्राम पंचायतों में आयोजित किये जा रहे ''विशेष भामाशाह सीडिंग शिविर'' में किया जावे। **महात्मा गांधी नरेगा योजना, भामाशाह योजना के तहत चिन्हित योजना है।** अतः मुख्य सचिव के निर्देशानुसार **महात्मा गांधी नरेगा योजना के लाभार्थियों की सूचना भी भामाशाह पोर्टल पर ही** इन्द्राज की जानी है।

इस संबन्ध में निम्नानुसार निर्देश जारी किये जाते है :–

1. **कार्यक्रम अधिकारी सह विकास अधिकारी पंचायत समिति** द्वारा **प्रत्येक ग्राम पंचायत के लिए ग्राम सचिव/ग्राम रोजगार सहायक/कनिष्ठ लिपिक में से कम से कम एक कार्मिक** को महात्मा गांधी नरेगा के Active worker की आधार/ई.आई.डी. संख्या एवं बैंक खाता की सूचना एकत्र करने हेतु **नोडल कार्मिक नामित** किया जायेगा।

2. उक्त सूचना नरेगा सॉफ्ट पर उपलब्ध रिपोर्ट संख्या **R1.1.3 Total Number of Aadhar Nos./ EID Nos. entered for MGNREGA Workers in MIS** पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से ग्राम पंचायतवार ऐसे श्रमिक जिनके आधार/ई.आई.डी. नम्बर नरेगा सॉफ्ट में इन्द्राज **नही** है, की सूची **(कॉलम संख्या 6 पर उपलब्ध हाईपर लिंक से)** प्रिन्ट की जाकर **पंचायत समिति पर कार्यरत एम.आई.एस. मैनेजर द्वारा** ग्राम पंचायत के **नोडल कार्मिक को** उपलब्ध करायी जायेगी।

3. **नोडल कार्मिक द्वारा प्रतिदिन औसतन 50 श्रमिकों की सूचना** एकत्र की जाकर इनकी सीडिंग **आयोजित किये जा रहे विशेष शिविर में भामाशाह पोर्टल पर आवश्यक रूप से करायी जायेगी।** ऐसे श्रमिक जिन्होंने **आधार हेतु पंजीकरण नही** कराया है, का **पंजीकरण इन शिविरों में कराया** जाकर इनकी **ई.आई.डी. नम्बर का इन्द्राज उसी समय भामाशाह पोर्टल पर** कराया जायेगा। इसी प्रकार जिन श्रमिकों के खाते **CBS enabled नही है**, के खाते **इन शिविरों में खुलवाये** जाकर इनका **इन्द्राज भी भामाशाह पोर्टल** पर किया जायेगा।